सीखने के मानक

तृतीय भाषा - हिन्दी

छठीं कक्षा से लेकर दसवीं कक्षा तक

कर्नाटक सरकार

कर्नाटक प्रौढ़ शिक्षा परीक्षा मंडली

छठा क्रास, मल्लेश्वरम, बेंगलूरु - 560 003

सीखने के मानक पुस्तक रचना - समिति
तृतीय भाषा - हिन्दी
(छठीं से लेकर दसवीं कक्षा तक)

अध्यक्ष
प्रो. जी. अश्वत्थनारायण
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग (से. नि.)
वी वी पुरम कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
वी वी पुरम, बेंगलूर - 4
सदस्य :

1. डॉ. श्रीरंगा एन.
   हिन्दी अध्यापक
   सरकारी हाईस्कूल
   श्रीरामनगर
   एम. होसकोप्पल (पोस्ट)
   हासन जिला.

2. श्रीमती हेच.डी शान्ता
   सहायक निर्देशक (से.नि.)
   पी.यू. बोर्ड
   बेंगलूर

आशय हमारा .....

वर्तमान युग विज्ञान का युग है, व्यापार - वाणिज्य का युग है। मानव मानव न रहकर यंत्रवत् होता जा रहा है। शिक्षा का लक्ष्य ज्ञानार्जन न रहकर भौतिक सुख-साधनों को बड़ी मात्रा में जुटाने की सीमित परिधि रहा है। ऐसे समय में भाषा एवं साहित्य का पठन-पाठन हाशिए पर चला जा रहा है जो कि खेद की बात है।

हिन्दी भारत की एक समृद्ध और संपन्न भाषा है। भारत की राष्ट्रभाषा बनने का सौभाग्य इसे प्राप्त हुआ है। भारत के सभी राज्यों की पाठशालाओं में हिन्दी पढ़ायी जा रही है। हिन्दीतर राज्यों में हिन्दी पहली और तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जा रही है। समय - समय पर भारतीय भाषाओं में पाठ्य क्रम का पठन - पाठन नये - नये आयाम अपना रहा है। कर्नाटक सरकार सर्वशिक्षा अभियान के तहत हिन्दी को प्रथम तथा तृतीय भाषा के रूप में पढ़ाने की दिशा में नये - नये रास्ते ढूंढ रही है। शिक्षाविदों और अनुभवी हिन्दी अध्यापकों के मार्गदर्शन में हिन्दी के पठन पाठन में नूतन एवं सशक्त मार्ग ढूंढने का प्रयत्न किया जा रहा है ।

इस दृष्टि से हिन्दी के पाठ्य-क्रम की पढ़ाई में ऐसे-ऐसे रास्ते ढूँढे जा रहे हैं कि जिन पर चलकर हिन्दी अध्यापक अपने पाठन-क्रम को सुंदर, सरल तथा सुबोध आयाम दे सकते हैं। यंत्रों की तरह पढ़ाने के बदले पाठों को रोचक एवं सरल, आकर्षक शैली में पढ़ाने के लिए यहाँ सीखने के और सिखाने के मानक निर्धारित किए गए हैं। इन मानकों को लक्ष्य में रखकर अगर अध्यापक पढ़ायेंगे तो विद्यार्थी हिन्दी बड़ी सरलता से, बड़े उल्लास और आनंद से सीख सकते हैं। हमारा लक्ष्य यह रहा है कि विद्यार्थी - गण सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना - इन चार स्तरों को पार करके अपनी ज्ञान - परिधि विस्तृत कर सकते हैं। विद्यार्थियों में सोचने - विचारने की क्षमता बढ़े, और वे संपूर्ण और सुयोग्य मानव बने, भारत की गरिमा बढ़ायें एवं विश्व-नागरिक बनें - सर्व शिक्षा अभियान का यह लक्ष्य सफल हो, यही हमारी मंगल - कामना है,

****

सीखने के मानक

विषय : तृतीय भाषा हिन्दी

क्षेत्र - सुनना

छठीं कक्षा

सामर्थ्य : बालगीतों को सुनना -

- छोटे-छोटे बालगीतों को सुनकर उनमें आनेवाले प्रास बद्ध शब्दों को पहचानना ।
- अपने सहपाठियों से अपरिचित बालगीत सुनना ।
- शिक्षक द्वारा अपरिचित बालगीत सुनना ।
- दृश्य-श्रव्य साधनों द्वारा बालगीतों को सुनना ।

सामर्थ्य : स्वर मात्राओं तथा बारहखड़ी का उच्चारण सुनना ।

- ह्रस्व-स्वरों और दीर्घस्वरों को पहचानना ।
- शब्दों में आनेवाली स्वर-मात्राओं को सुनकर पहचानना ।
- बारहखड़ी को क्रमानुरूप से पहचानना ।
- शब्दों में आनेवाली बारहखड़ियों को सुनकर पहचानना ।

सामर्थ्य : परिचित परिवेश का वार्तालाप सुनना -

- परिचित प्रसंगों की सूचनाओं को ध्यान से सुनना ।
- सूचनाओं के द्वारा प्रतिक्रिया समझना ।

सातवीं कक्षा

सामर्थ्य : सरल वार्तालाप सुनकर समझने की क्षमता पाना -

- अपरिचित प्रसंगों से संबंधित वार्तालाप सुनना । जैसे : बस्स्टेंड् और मार्केट का वार्तालाप।
- किसी कहानी में आनेवाला वार्तालाप सुनकर समझना ।
- गद्य-पाठ में आनेवाला वार्तालाप सुनकर समझना ।
- सरल एकांकी सुनकर उसमें आनेवाले वार्तालापों को समझना।

सामर्थ्य : व्यंजन और संयुक्त अक्षरों को सुनना और समझना ।

- व्यंजनाक्षर से युक्त वाक्यों को सुनना और समझना ।
- अल्पप्राण और महाप्राण व्यंजनों को सुनना और उनका उच्चारण करना ।
- व्यंजनाक्षर से युक्त दो-दो शब्दों को सुनना और समझना ।
- बारहखड़ी के साथ व्यंजनों का प्रयोग करना ।

सामर्थ्य : राष्ट्रीय एकता की भावनाओं को सुनकर समझना

- राष्ट्रीय एकता से युक्त पद्य सुनना और समझना ।
- एकता से संबंधित शब्दों को सुनकर समझना ।

छठीं कक्षा

- संवादों के बीच के विषय को सुनना और समझना ।
- समूहों में वार्तालाप सुनना और समझना ।

सामर्थ्य : राष्ट्रीय व्यक्तियों का परिचय सुनकर समझना - विविध दृश्य और श्रव्य साधनों के द्वारा सुनना -

- राष्ट्रीय व्यक्ति की साधना सुनकर समझना ।
- वीर महिलाओं की जीवनी सुनकर समझना ।
- रेडियो और समाचार पत्रों के द्वारा राष्ट्रीय भावना से संबंधित विचारों को सुनकर समझना।
- नाटकों के द्वारा राष्ट्र-प्रेम से संबंधित वाक्यों को सुनना और समझना ।

सातवीं कक्षा

- रेडियो द्वारा राष्ट्रीयता से संबंधित वाक्यों को सुनकर समझना।
- देश-भक्ति गीतों को सुनना और समझना ।

सामर्थ्य : राष्ट्र प्रेम से संबंधित विषयों को सुनने के बाद क्यों, कैसे, किसलिए आदि प्रश्नों को सुनकर समझना

- सुने हुए विषयों के कारण समझना ।
- नाटकों में आनेवाले वार्तालाप सुनकर एकता से संबंधित शब्दों को समझना ।
- विद्यार्थियों के बीच देशप्रेम से संबंधित वाक्यों को सुनना।
- राष्ट्र-प्रेम से संबंधित पद्यों तथा गीतों को सुनना और समझना ।

सीखने के मानक

विषय : तृतीय भाषा हिन्दी

क्षेत्र - बोलना

छठीं कक्षा

सामर्थ्य : वर्णों का स्पष्ट उच्चारण और अल्पप्राण और महाप्राण का अन्तर समझना -

- वर्णों के उच्चारण में स्पष्टता लाना ।
- अल्पप्राण - महाप्राण के अन्तर को जानना ।
- स्थानीय बोलियों के प्रभाव से मुक्त होकर उच्चारण करना ।
- छोटे - छोटे शब्दों को चित्रों के आधार पर बोलना ।
- मौखिक अभिव्यक्ति में सरल भाषा का प्रयोग करना ।
- देखे - सुने गए संदर्भों की चर्चा करना ।
- आस-पास की वस्तुओं का हिन्दी में नाम जानकर उच्चारण करना ।
- नए शब्दों को जानने का प्रयास करना ।

सामर्थ्य : सुने गए अंशों का संक्षिप्त विवरण देना -

- शब्द - भण्डार की वृद्धि के लिए संक्षिप्त विवरण देना ।
- समझे गए अंशों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर बताना ।
- सुनी - देखी गई कथा - कहानी, कविता का सारांश कहना ।
- प्रिय व्यक्ति का संक्षेप में विवरण देना ।

सातवीं कक्षा

सामर्थ्य : शुद्ध एवं स्पष्ट उच्चारण के साथ उचित आरोह - अवरोह का ध्यान रखना -

- छोटे - छोटे वाक्यों जैसे - यह लड़का है, वह सीता है - आदि का स्पष्ट एवं उचित आरोह - अवरोह के साथ उच्चारण ।
- शब्दों में प्रयुक्त अल्पप्राण तथा महाप्राण के वर्णों को स्पष्ट रूप से बोलना ।
- वाक्यों में स्वरों का उचित उतार - चढ़ाव लाना ।
- वाक्यों के लेखन - चिह्नों के अनुरूप उच्चारण ।
- चित्रकथाओं को सुनकर उनके लिए शीर्षक चुनना ।
- कथाओं के नैतिक मूल्यों को दूसरों को बताना ।
- आस-पास के वातावरण के अनुसार छोटे - छोटे वाक्यों द्वारा भाषा का अभ्यास करना।

सामर्थ्य : देखे और सुने गए अंशो के आधार पर निर्णय लेकर विवरण देना -

- देखे - सुने गए अंशों द्वारा विषय को समझकर संक्षेप में विषय बताना ।
- किसी वैज्ञानिक, ऐतिहासिक, पौराणिक, राजनैतिक व्यक्ति का संक्षेप में विवरण देना ।
- व्यक्ति के चरित्र की महानता का विवरण देना ।
- विषय के अनुकूल भाषा का प्रयोग करना ।

छठीं कक्षा

- सरल भाषा का प्रयोग सीखना ।
- बातचीत के दौरान प्रयोग किए गए सरल शब्दों को सुनकर दोहराना ।
- सुने गए शब्दों का अपने वाक्यों में मौखिक प्रयोग करना ।

सामर्थ्य : मुद्रित पाठ्य तथा पाठ्येतर विषयों पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देना -

- पाठ्य - पुस्तक तथा पाठ्येतर अंशों को समझ कर प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप से देना।
- प्रश्नों के मौखिक उत्तर - सक्षिप्त और स्पष्ट रूप से देना ।
- उत्तर देने के लिए सरल भाषा का प्रयोग करना ।
- मुद्रित अंशों का अर्थ समझकर विषय का सारांश बताना ।
- मुद्रित कविता, कहानी आदि के मुख्य भाग को बताना ।
- सुने या देखे गए मुद्रित अंशों के पात्रों का परिचय देना ।
- प्रिय भाग का विवरण देना, ऐसा क्यों, पसंद है, क्या पसंद है आदि के बारे में बताना ।

सामर्थ्य : व्याकरण के अंशों जैसे वचन, लिंग समानार्थक शब्द तथा विलोम शब्दों का मौखिक प्रयोग -

- छोटे - छोटे वाक्यों के मौखिक प्रयोग को जानना जैसे - यह कुत्ता है, ये कुत्ते हैं, मेरी माता, मेरा भाई।
- वचन, लिंग सम्बन्धी सरल शब्दों का अंतर समझकर बोलना ।
- चित्रों द्वारा भिन्नता अथवा समानता जानकर मौखिक अभिव्यक्ति करना ।
- देनिक जीवन में प्रयोग के शब्द जैसे - दिन-रात, बड़े-छोटे शब्दों के परस्पर सम्बन्धों को समझकर व्याकरणबद्ध भाषा में (विलोम शब्द, समानार्थक आदि) प्रयोग करना ।
- **शब्द-भण्डार में वृद्धि के लिए नए शब्दों को जानना और उनका उच्चारण करना।**

सातवीं कक्षा

- विषय को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण देना ।
- बोलते समय सहज, सरल भाषा का प्रयोग करना ।

सामर्थ्य : संक्षिप्त कथा, अपठित अंश तथा कंठस्थ कविताओं के आधार पर प्रश्नों के उत्तर देना -

- सुने - देखे गए अंशों के आधार पर विस्तार से प्रश्नों के उत्तर देना ।
- विषय का संक्षिप्त विवरण देना ।
- प्रश्नों को समझकर उत्तर देना ।
- पात्रों की आंगिक प्रतिक्रिया की कल्पना करते हुए उनकी विशेषता व्यक्त करना ।
- कहानी में पात्रों का महत्व समझना, उनके उत्तम गुणों का वर्णन करना ।
- पात्रों की पसंद का कारण बताना ।
- प्रसंगानुकूल भाषा का प्रयोग करना ।

सामर्थ्य : व्याकरण अंशों जैसे - वचन, लिंग, मुहावरों, समानार्थक शब्दों तथा विलोम शब्दों का मौखिक प्रयोग-

- सामान्य बातचीत में व्याकरण विषयों का (वचन, लिंग आदि का) ध्यान रखना ।
- एक वचन - बहुवचन में अन्तर के लिए प्रयुक्त शब्दों को पहचानना और मौखिक अभिव्यक्ति करना ।
- कहीं - कहीं आवश्यकतानुसार सरल एवं प्रचलित मुहावरों का प्रयोग करना ।
- भाषा के शब्द भण्डार में वृद्धि के लिए नए - नए शब्दों को जानना, एक ही शब्द के अन्य अर्थों को जानना और बोलना ।
- छोटी छोटी कहानियों, घटनाओं की मौखिक अभिव्यक्ति करना ।

सीखने के मानक

विषय : तृतीय भाषा हिन्दी

क्षेत्र - पढ़ना

छठीं कक्षा

सामर्थ्य : अक्षरों की ध्वनि के अंतर को समझकर पढ़ना -

- प्रत्येक अक्षर - विन्यास को समझकर पढ़ना ।
- बारहखड़ी को ध्यान से पढ़ना ।
- व्यंजनाक्षरों को ध्यान से पढ़ना ।
- परिचित कवियों की कविताओं को समझकर पढ़ना ।

सामर्थ्य : पदपुंज और मुहावरों को ध्यान में रखना -

- प्रतिदिन लोकोक्तियों को ठीक रूप से पढ़ना ।
- पाठ्य-वस्तु को धारा प्रवाह पढ़ना ।
- भाषा को खेल के साथ अर्जित करके सामर्थ्य बढ़ाना ।
- भाषा को स्पष्ट रूप से पढ़ना ।

सामर्थ्य : पाठ्येतर विषयों को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर देना -

- वीरों, देशसेवकों के बारे में पढ़ना ।
- मनोरंजक साहित्य पढ़ना ।

सातवीं कक्षा

सामर्थ्य : कविता में कवि द्वारा प्रयुक्त पदों को ध्यान से पढ़ना -

- विविध प्रकार की कविताओं को पढ़ना ।
- गद्य और पद्यभाग को जोर से पढ़ना ।
- पढ़े हुए विषयों को बार-बार पढ़ना ।
- कविता के भावार्थ को ध्यान से पढ़ना ।
- दैनिक, साप्ताहिक, मासिक पत्रिकाओं के मुख्य अंश पढ़ना ।

सामर्थ्य : पढ़े हुए विषयों के बारे में चर्चा करते हुए चिंतन-मनन करना -

- गद्य - पद्य के पदपुंजों को पढ़ना ।
- कविता को स्वर - लय के साथ पढ़ना ।
- कविता का भाव समझकर पढ़ना ।
- कविता में कवि का आशय समझकर पढ़ना ।

सामर्थ्य : पाठ्य क्रम को ध्यान से पढ़कर दिये गये प्रश्नों का जवाब देना -

- दैनिक, साप्ताहिक और मासिक पत्रिकाओं को पढ़ना ।
- स्वतः और समूह में कविता गाना ।

छठी कक्षा

सामर्थ्य : पढ़े विषयों के बारे में सोच - समझकर निर्णय लेना -

- ✻ गद्य - पद्य पढ़कर सोचना - विचारना ।
- ✻ पद्य - गद्य के पाठों से मानवीय मूल्यों को पहचानना ।
- ✻ कविताओं से प्रकृति - सौन्दर्य को पहचानना ।

सामर्थ्य : करीब 500 पदों को स्वतंत्र रूप में संग्रह करना और पढ़ना -

- ✻ परिचित पदों को पढ़ना ।
- ✻ अपरिचित पदों का अर्थ समझना ।
- ✻ ज्ञान बढ़ाने के लिए नए शब्दों को पढ़ना ।
- ✻ स्वतंत्र रूप में पढ़ने का कौशल सीखना ।
- ✻ स्वर - लय के साथ कविता गाना ।

सातवीं कक्षा

सामर्थ्य : लेखन-चिह्न एवं छंद-विन्यास पढ़ना -

- ✻ लेखन - चिह्नों का महत्व समझना ।
- ✻ लेखन - चिह्न उपयोग करते समय स्वर के उतार - चढ़ाव को समझना ।
- ✻ कविता को स्वर-लय के साथ गाना ।

सामर्थ्य : करीब 700 पदों का संग्रह करना और पढ़ना -

- ✻ तीव्र गति से पढ़ने का अभ्यास करना ।
- ✻ शब्द-कोश पढ़कर नये शब्दों से परिचित होना ।
- ✻ पुस्तकों को पढ़ने की आदत बढ़ाना ।

सीखने के मानक

विषय : तृतीय भाषा हिन्दी

क्षेत्र - लिखना

छठीं कक्षा

सामर्थ्य : शब्द समूह, समानार्थक शब्दों और विलोम शब्दों का वाक्यों मे प्रयोग -

- दो वर्णवाले, तीन - चार वर्णवाले शब्दों को पाठ से चुनकर लिखना ।
- दैनिक जीवन से संबंधित पदों को लिखना । जैसे, कलम, गिलास, लोटा, पेड़ - महल आदि ।
- समानार्थक शब्दों को पाठ से चुनकर लिखना ।
- पाठ से संबंधित विलोम शब्दों को लिखना ।

सामर्थ्य : यह- ये, वह - वे, तू - तुम, मैं - हम, संबंधी अंतर को समझकर वाक्य रचना -

- मैं - हूँ, और हम - तुम का प्रयोग की क्षमता समझना ।
- संरचक - रेखाएँ समझना तथा लिखना ।
- विषय संबंधी विवरण समझना ।
- वचन संबंधी अंतर समझना और चित्र की सहायता से स्वयं समझकर लिखना ।

सामर्थ्य : हिन्दी वर्णो का लेखन - बारहखड़ी का परिचय, शब्द रचना -

- वर्ण रचना के सही तरीकों का ज्ञान ।
- वर्णों के सही आकार एवं सुलेख पर ध्यान देकर लिखना ।
- बारहखड़ी का लिखित अभ्यास ।

सातवीं कक्षा

सामर्थ्य : पर्यायवाची, विलोम शब्द, लिंग-वचन के अनुरूप वाक्य रचना -

- तीव्र गति से लेखन का अभ्यास ।
- पाठ के व्याकरण संबंधी अंशों को चुनकर लिखना ।
- शुद्ध वर्तनी का अभ्यास करना ।
- पाठ-संबंधी प्रश्नों का उत्तर लिखना ।

सामर्थ्य : चित्रकथाओं को देखकर कथा को अपने शब्दों में लिखना -

- कथा को ठीक तरह से समझकर सारांश लिखना ।
- कथा के वार्तालाप सुनकर समझना, सार लिखना ।
- कथा के पात्रों के स्वभाव को समझकर लिखना ।

सामर्थ्य : वचन, लिंग, समानार्थक शब्दोंका विवरण -

- पाठ में प्रयुक्त व्याकरण अंशों की सूची तैयार करना ।
- सूची के आधार पर अन्य शब्दों का लेखन ।
- संग्रहित शब्दों के उत्तर लिखना ।
- शब्दों का वाक्यों में उचित प्रयोग करना ।
- व्याकरण संबंधी विषयों को चित्र सहित लिखना ।

छठीं कक्षा

- चित्र देखकर छोटे - छोटे शब्दों को लिखना ।
- अपने परिसर में देखी गयी वस्तुओं की सूची तैयार करना ।

सामर्थ्य : सरल एवं छोटे - छोटे वाक्यों की रचना -

- पाठ के अनुरूप, मैं - तुम, यह - वह, इनका - उनका, यहाँ - वहाँ, इसका - उसका आदि का लिखित प्रयोग करना।
- काल संबंधी वाक्यों की रचना करना ।
- वाक्य के अंत में काल सूची शब्दों को - लिखना ।
- सरल बालगीत लिखना, दोहराना ।
- पाठ के प्रश्नोत्तर का लेखन करना।
- पाठों के नैतिक मूल्यों को समझना और लिखना ।

सातवीं कक्षा

सामर्थ्य : सरल एवं अर्थपूर्ण वाक्य निर्माण -

- पाठ के लिए अन्य शीर्षक लिखना ।
- कविता का सारांश लिखना ।
- एक से पच्चीस तक गिनती अक्षरों में लिखना ।
- घर से संबंधित विचारों को अपने शब्दों में संक्षेप में लिखना ।
- कंठस्थ कविता का आस्वाद करते हुए लिखना ।

जीवन - मूल्य

1) प्रेम
2) दया
3) करुणा
4) ममता
5) राष्ट्र-प्रेम
6) पर्यावरण की रक्षा
7) मित्रता
8) परोपकार
9) बड़े - बूडों के प्रति आदर की भावना
10) विकलांगों के प्रति सहानुभूति
11) गरीबों और असहायों के प्रति अनुकंप
12) मातृ भाषा - प्रेम
13) अन्य भाषाओं के प्रति गौरव दिखाना
14) भारतीय संस्कृति का आदर - सम्मान
15) सभी धर्मो का आदर
16) स्वार्थ, द्वेष, हिंसा आदि बुरे गुणों से दूर रहना ।
17) शिक्षा की महत्ता जानना
18) स्त्रियों का आदर करना
19) आत्मविश्वास
20) आत्मगौरव